

चढ़ाओ नशा...

How lucky and Great we are...!

16-03-2026 प्रातःमुरली ओम् शान्ति "बापदादा" मधुबन

"मीठे बच्चे - तुम्हें सद्गति की सबसे न्यारी मत मिली है कि देह के सब धर्म त्याग आत्म अभिमानी भव, मामेकम् याद करो"

मामेकम/ Only Me



प्रश्न:- जो परमात्मा को नाम रूप से न्यारा कहते हैं, उनसे तुम कौन सा प्रश्न पूछ सकते हो?

उत्तर:- उनसे पूछो - गीता में जो दिखाते हैं अर्जुन को अखण्ड ज्योति स्वरूप का साक्षात्कार हुआ, बोला बस करो हम सहन नहीं कर सकते। तो फिर नाम रूप से न्यारा कैसे कहते हो। बाबा कहते हैं मैं तो तुम्हारा बाप हूँ। बाप का रूप देखकर बच्चा खुश होगा, वह कैसे कहेगा मैं सहन नहीं कर सकता।



Click

गीत:- तेरे द्वार खड़ा...

तेरें द्वार खड़ा भगवान,
भगत भर दे रे झोली।।
तेरा होगा बड़ा एहसान,
कि जुग जुग तेरी रहेगी शान,
भगत भर दे रे झोली,
तेरें द्वार खड़ा भगवान,
भगत भर दे रे झोली,
ओ भगत भर दे रे झोली।।

डोल उठी है सारी धरती देख रे,
डोला गगन है सारा,
भीख मांगने आया तेरे घर,
जगत का पालनहारा रे,
जगत का पालनहारा,
मै आज तेरा मेहमान,
कर ले रे मुझसे ज़रा पहचान
भगत भर दे रे झोली,
तेरे द्वार खड़ा भगवान,
भगत भर दे रे झोली,
ओ भगत भर दे रे झोली।।

^{m. Imp.}
आज लुटा दे रे सर्वस्व अपना
मान ले कहना मेरा,
मिट जायेगा पल मे तेरा,
जनम-जनम का फेरा रे,
जनम-जनम का फेरा,
तू छोड़ सकल अभिमान,
अमर कर ले रे तू अपना दान,
भगत भर दे रे झोली,
तेरे द्वार खड़ा भगवान,
भगत भर दे रे झोली।।



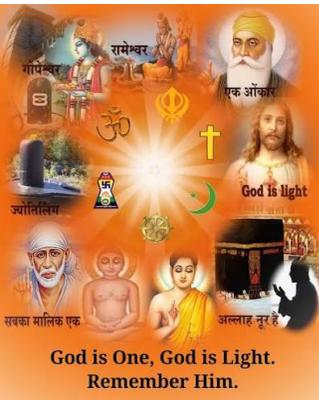
ओम् शान्ति। भक्त कहते हैं हम बहुत कंगाल बन

Points: ज्ञान योग धारणा सेवा M.imp.

16-03-2026 प्रातःमुरली ओम् शान्ति "बापदादा" मधुबन



But we know, How Lucky & Great we are..!



गये हैं। हे बाबा हम सबकी झोली भर दो। भगत गाते रहते हैं जन्म बाई जन्म। सतयुग में भक्ति होती नहीं। वहाँ पावन देवी देवता होते हैं। भक्तों को कभी देवता नहीं कहा जाता। जो स्वर्गवासी देवी देवता होते हैं वह फिर पुनर्जन्म लेते-लेते नर्कवासी, पुजारी, भगत, कंगाल बनते हैं। बाप बैठ बच्चों को समझाते हैं। बाप को एक भी मनुष्य नहीं जानते। बाप जब आये तब आकर अपना परिचय देवे। भगवान को ही बाबा कहा जाता है। सब भक्तों का है एक भगवान। बाकी सब हैं भगत। चर्च आदि में जाते हैं तो जरूर भक्त ठहरे ना। इस समय सब पतित तमोप्रधान हैं, इसलिए सब पुकारते हैं हे पतितों को पावन बनाने वाले आओ। हे बाबा हम भक्तों की झोली भर दो। भक्त भगवान से धन मांगते हैं। तुम बच्चे क्या मांगते हो? तुम कहते हो बाबा हमको स्वर्ग का मालिक बनाओ। वहाँ तो अथाह धन होता है। हीरे जवाहरात के महल होते हैं। अभी तुम जानते हो हम भगवान द्वारा राजाई का वर्सा पा रहे हैं। यह सच्ची गीता है। वह गीता नहीं। वह तो पुस्तक

Points: ज्ञान योग धारणा सेवा M.imp.

16-03-2026 प्रातःमुरली ओम् शान्ति "बापदादा" मधुबन

आदि भक्तिमार्ग के लिए बनाये हैं। उनको भगवान

ने ज्ञान नहीं दिया। भगवान तो इस समय नर से

नारायण बनाने के लिए राजयोग सिखाते हैं। राजा

के साथ प्रजा भी जरूर होगी। सिर्फ लक्ष्मी-

नारायण तो नहीं बनेंगे। सारी राजधानी बनती है।

अब तुम बच्चे जानते हो कि भगवान कौन है और

कोई भी मनुष्य मात्र नहीं जानते। बाप कहते हैं

तुम कहते हो ओ गॉड फादर, तो बताओ तुम्हारे

गॉड फादर का नाम, रूप, देश, काल क्या है? न

भगवान को जानते हैं, न उनकी रचना को जानते

हैं। बाप आकर कहते हैं कल्प-कल्प के संगम पर

आता हूँ। सारी रचना के आदि-मध्य-अन्त का राज

में "रचता" ही आकर समझाता हूँ। कई तो कहते हैं

- वह नाम रूप से न्यारा है, वह आ नहीं सकता।

तुम जानते हो बाप आया है। शिव जयन्ती भी

निराकार की गाई जाती है तो श्रीकृष्ण जयन्ती भी

गाई जाती है। अब शिव जयन्ती कब होती है, वह

मालूम होना चाहिए ना। जैसे क्रिश्चियन को मालूम

है कि क्राइस्ट का जन्म कब हुआ, क्रिश्चियन धर्म

कब स्थापन हुआ। यह तो है भारत की बात।

Points: ज्ञान योग धारणा सेवा M.imp.



राजयोग मनुष्य को भविष्य में आने वाली सतयुगी दुनिया में विश्व महाराज पद का अधिकारी बनाता है।



चढ़ाओ नशा...

How lucky and Great we are...!

नाम :	शिव (अर्थात् कल्याणकारी)
रूप :	निराकार, अर्थात् बिंदु स्वरूप
देश :	ब्रह्मलोक वासी
काल :	कलियुग के अंत और सतयुग के आदि में अवतरित होते हैं।
गुण :	ज्ञान, पवित्रता, सुख-शांति, प्रेम-आनंद..... सर्व गुणों के सागर हैं।



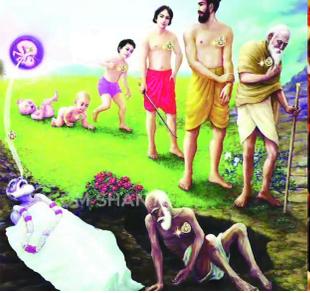
Jannashitani Krishna

16-03-2026 प्रातःमुरली ओम् शान्ति "बापदादा" मधुबन

भगवान भारत की झोली कब भरते हैं? भगत

पुकारते हैं हे भगवान झोली भर दो। सद्गति में ले

जाओ क्योंकि हम दुर्गति में पड़े हैं, तमोप्रधान हैं।



आत्मा ही शरीर के साथ भोगती है। कई मनुष्य

साधु सन्त आदि कहते हैं कि आत्मा निर्लेप है।

कहते भी हैं कि अच्छे वा बुरे संस्कार आत्मा में

रहते हैं। उस आधार पर आत्मा जन्म लेती है। फिर

कहते आत्मा तो निर्लेप है। कोई भी बुद्धिवान

मनुष्य नहीं जो समझाये। इसमें भी अनेक मत हैं।



जो घर से रूठते वह शास्त्र बना देते। श्रीमत

भगवत गीता है एक। व्यास ने जो श्लोक आदि

बनाये वह कोई भगवान ने नहीं गाये हैं। भगवान

निराकार जो ज्ञान का सागर है, वह बैठ बच्चों को

समझाते हैं कि भगवान एक है। भारतवासियों को

यह पता नहीं है। गाते भी हैं ईश्वर की गत मत

न्यारी है। अच्छा कौन सी गत मत न्यारी है? ईश्वर

की गत मत न्यारी है यह किसने कहा? आत्मा

कहती है, उसकी सद्गति के लिए जो मत है, उसको

श्रीमत कहा जाता है। कल्प-कल्प तुमको आकर

समझाता हूँ - मनमनाभव। देह के सब धर्म त्याग





16-03-2026 प्रातःमुरली ओम् शान्ति "बापदादा" मधुबन

आत्म-अभिमानि भव। मामेकम् याद करो। अभी

तुम मनुष्य से देवता बन रहे हो। इस राजयोग की

एम आब्जेक्ट है ही लक्ष्मी-नारायण बनना। पढ़ाई

से कोई राजा बनते नहीं हैं। ऐसा कोई स्कूल नहीं

है। गीता में ही है, तुम बच्चों को राजयोग सिखाता

हूँ। आता भी तब हूँ जबकि कोई भी राजा का

राज्य नहीं रहता। मुझे एक भी मनुष्य बिल्कुल

नहीं जानते। बाबा कहते हैं कि तुम बच्चों ने इतना

बड़ा लिंग जो बनाया है, वह मेरा कोई यह रूप

नहीं है। मनुष्य कह देते कि अखण्ड ज्योति रूप

परमात्मा, तेजोमय है। अर्जुन ने देखकर कहा बस

करो, मैं सहन नहीं कर सकता हूँ। अरे बच्चा बाप

का रूप देख सहन न कर सके, यह कैसे हो सकता

है। बच्चा तो बाप को देख खुश होगा ना। बाप

कहते हैं कि मेरा कोई ऐसा रूप थोड़ेही है। मैं हूँ ही

परमपिता अर्थात् परे ते परे रहने वाला परम

आत्मा माना परमात्मा। फिर गाते हैं परमात्मा

मनुष्य सृष्टि का बीजरूप है। उनकी भगत महिमा

करते हैं। सतयुग त्रेता में कोई महिमा नहीं करते

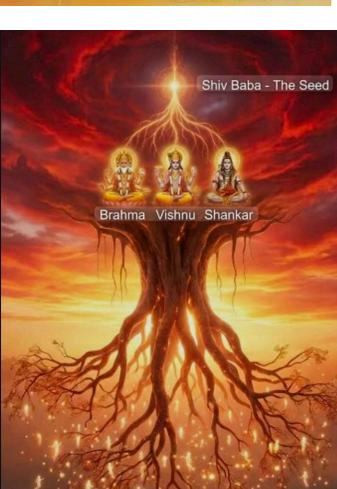
क्योंकि वहाँ तो है सुख। गाते भी हैं दुःख में

Points: ज्ञान योग धारणा सेवा M.imp.



AIM OBJECT: लक्ष्मी-नारायण बनना तुम्हारी एम ऑब्जेक्ट ही यह है। पवित्र बनो तो इन लक्ष्मी-नारायण के घराने में जा सकते हो।

समझा?



दुःख में सुमिरन सब करे
सुख में करे न कोया।
जो सुख में सुमिरन करे
दुःख काहे को होय ॥

अर्थ: SmitCreation.com
कबीर दास जी कहते हैं कि दुःख के समय
सभी भगवान् को याद करते हैं पर सुख में
कोई नहीं करता। यदि सुख में भी भगवान् को
याद किया जाए तो दुःख हो ही क्यों!



16-03-2026 प्रातःमुरली ओम् शान्ति "बापदादा" मधुबन

सिमरण सब करें, सुख में करे न कोई। इनका भी

अर्थ नहीं समझते हैं। तोते मुआफिक सब कहते

रहते हैं। सुख कब होता है, दुःख कब होता है।

भारत की ही तो बात है ना। 5 हजार वर्ष पहले

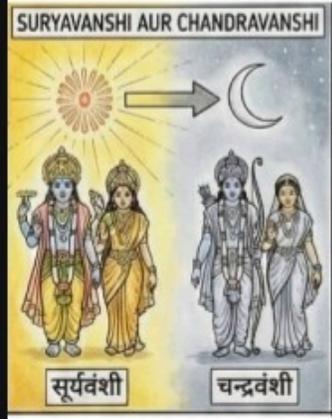
स्वर्ग था फिर त्रेता में दो कला कम हुई। सतयुग

त्रेता में दुःख का नाम नहीं रहता। है ही सुखधाम।

स्वर्ग कहने से मुख मीठा होता है। हेविन में फिर

दुःख कहाँ से आया। कहते हैं कि वहाँ भी कंस

जरासन्धी आदि थे, परन्तु यह हो नहीं सकता।



भक्त समझते हैं कि हम नौधा भक्ति करते हैं तो

दीदार होता है। दीदार होना गोया हमको भगवान

मिला। लक्ष्मी की पूजा की, उनका दर्शन हुआ बस

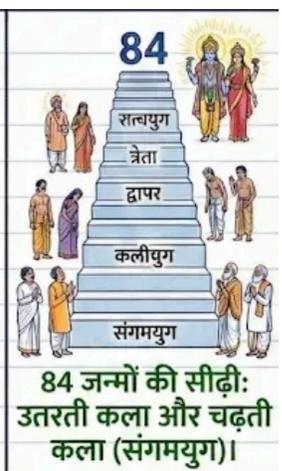
हम तो पार हो गये, इसमें ही खुश हो जाते हैं।

परन्तु है कुछ भी नहीं। अल्पकाल के लिए सुख

मिलता है। दर्शन हुआ खलास। ऐसे तो नहीं मुक्ति

जीवनमुक्ति को पा लिया, कुछ भी नहीं। बाबा ने

सीढ़ी पर भी समझाया है - भारत ऊंच ते ऊंच था।



Points: ज्ञान योग धारणा सेवा M.imp.



16-03-2026 प्रातःमुरली ओम् शान्ति "बापदादा" मधुबन

भगवान भी ऊंच ते ऊंच है। **भारत में** ऊंच ते ऊंच

वर्सा है इन लक्ष्मी-नारायण का। **जब** स्वर्ग था,

सतोप्रधान थे **फिर** कलियुग अन्त में सब

तमोप्रधान होते हैं। **पुकारते हैं** हम बिल्कुल पतित

हो गये हैं। **बाप कहते हैं** कि मैं कल्प के संगमयुग

पर आता हूँ, तुमको राजयोग सिखाने। मैं जो हूँ

जैसा हूँ मुझे **यथार्थ रीति** कोई नहीं जानते। **तुम्हारे**

में भी **नम्बरवार पुरुषार्थ** अनुसार जानते हैं। **सीढ़ी**

वाला चित्र दिखाना है। यह **भारत की सीढ़ी** है।

सतयुग में देवी देवता थे। 5 हजार वर्ष पहले भारत

ऐसा था। **शास्त्रों में** लाखों वर्ष का कल्प लिख

दिया है। **बाप कहते हैं** कि **लाखों वर्ष का नहीं,**

कल्प 5 हजार वर्ष का है। **सतयुग त्रेता** नई दुनिया,

द्वापर कलियुग **पुरानी दुनिया**। **आधा-आधा होता**

है ना। नई दुनिया में तुम भारतवासी थे। **बाप**

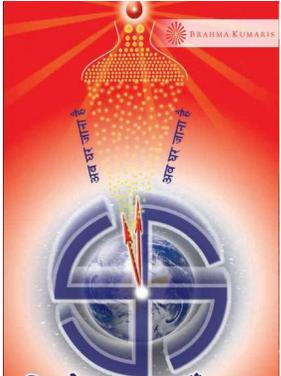
समझाते हैं **मीठे बच्चे** अभी तुम अपने जन्मों को

जानते हो बाकी कोई रथ आदि की बात नहीं है।

श्रीकृष्ण तो **सतयुग का प्रिंस** है। **श्रीकृष्ण का वह**

रूप सिवाए दिव्य दृष्टि के देखा नहीं जाता। **यह**

चैतन्य रूप से तो **सतयुग में थे** फिर कब वह रूप



m.m.m....imp.

Not All Brahmins Know Who Shiv Baba Is...

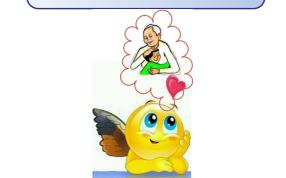
May I have your Attention Please...
 क्या नहीं कर सकते। हमको धरमक बन पढ़ाना कर सकते हैं। पर भोगमय समझते हैं ना तो बड़े बने अभी भी बाप को भोग ब्रह्म रतते हैं। भोगमय तो हैं लेकिन महाब्रह्म भी हैं। अभी हीद रूप बनने के आगे नहीं दिखाने हैं। नही तो समझे खड़े नही हो सकते। इसलिए बड़ो दूर भी भोगमय करते हैं, अन्धकार भी कर जाते हैं। लेकिन दिखाने? कल्लो को समझो अपने के हिसा। बापदादा पर धरम

मनुष्याणां सहस्रेषु कश्चिद्वर्तत सिद्धये। यत्तामपि सिद्धिनां कश्चिन्मा वेत्ति तत्त्वतः ॥
 हजारों मनुष्योंमें कोई एकें मेरी प्राणिके लिये यत्न करता है और उन यत्न करनेवाले योगियोंमें भी कोई एकें भेर परायण होकर मुझको तिलसे अर्घ्यत यथायत्नसे जानता है ॥ ३ ॥ श्रीयोगेश्वर

	Satya-yuga Duration: 1,728,000 Years
	Tretā-yuga Duration: 1,296,000 Years
	Dvāpara-yuga Duration: 864,000 Years
	Kali-yuga Duration: 432,000 Years



How Sweet...!



समझा?

16-03-2026 प्रातःमुरली ओम् शान्ति "बापदादा" मधुबन
 मिल नहीं सकता। फिर तो नाम रूप देश काल
 बदल जाता है। 84 जन्म लेते हैं। 84 जन्मों में 84

माँ बाप मिलते हैं। भिन्न-भिन्न नाम रूप
 आक्यूपेशन होता है। अब यह भारत की ही सीढ़ी

है। तुम हो अभी ब्राह्मण कुल भूषण। बाप ने कल्प
 पहले भी आकर तुमको देवी देवता बनाया था।

वहाँ तुम सर्वोत्तम कर्म करते थे। तुम सदा सुखी थे
 21 जन्म। फिर तुमको इस दुर्गति में किसने

पहुंचाया? मैंने कल्प पहले तुमको सद्गति दी थी
 फिर 84 जन्म लेते जरूर उतरना पड़े। सूर्यवंशी में

8 जन्म, चन्द्रवंशी में 12 जन्म फिर ऐसे उतरते
 आये हो। तुम ही सो पूज्य देवता थे, तुम ही पुजारी

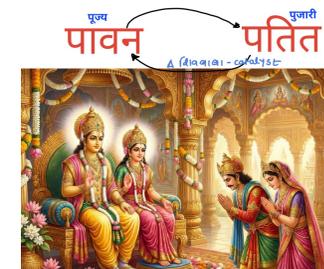
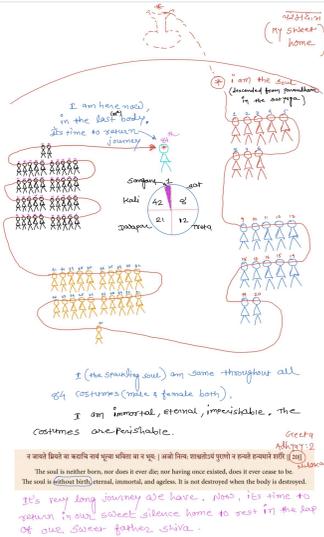
पतित बने हो। भारत अब कंगाल है। भगवानुवाच,
 तुम जो 100 प्रतिशत पवित्र और सालवेन्ट,

एवरहेल्दी, एवरवेल्दी थे। कोई रोग दुःख की बात
 नहीं थी, सुखधाम था। उनको कहते हैं गार्डन

आफ अल्लाह। अल्लाह ने बगीचा स्थापन किया।
 जो देवी-देवता थे वह अब कांटे बने हैं। अब जंगल

बन गया है। जंगल में कांटे लगते हैं। बाप कहते हैं
 काम महाशत्रु है, इन पर जीत पहनो। इसने आदि-

Points: ज्ञान योग धारणा सेवा M.imp.



अर्जुन उवाच
अथ केन प्रयुक्तोऽयं पापं चरति पूरुषः ।
अनिच्छन्नपि वाष्पेय बलादिव नियोजितः ॥
अर्जुन बोले—हे कृष्ण! तो फिर यह मनुष्य स्वयं
न चाहता हुआ भी बलात् लगाये हुएको भीति किससे
प्रेरित होकर पापका आचरण करता है ? ॥ ३६ ॥

May I have your Attention Please..!

16-03-2026 प्रातःमुरली ओम् शान्ति "बापदादा" मधुबन

श्रीभगवानुवाच
काम एष क्रोध एष रजोगुणसमुद्भवः ।
महाशनो महापाप्मा विद्ध्येनमिह वैरिणम् ॥
* अध्याय ३ * ५९

श्रीभगवान् बोले—रजोगुणसे उत्पन्न हुआ यह
काम ही क्रोध है, यह बहुत खानेवाला अर्थात्
भोगोंसे कभी न अघानेवाला और बड़ा पापी है,
इसको ही तू इस विषयमें वैरी जान ॥ ३७ ॥
धूमेनाव्रियते वह्निर्यथादर्शो मलेन च ।
यथोल्बेनावृतो गर्भस्तथा तेनेदमावृतम् ॥
जिस प्रकार धूँसे अग्नि और मैलेसे दर्पण ढका
जाता है तथा जिस प्रकार जेसे गर्भ ढका रहता है,
वैसे ही उस कामके द्वारा यह ज्ञान ढका रहता है ॥ ३८ ॥

मध्य-अन्त तुमको दुःख दिया है। एक दो पर काम

कटारी चलाना यह सबसे बड़ा पाप है। बाप बैठ

अपना परिचय देते हैं कि मैं परमधाम में रहने

वाला परम आत्मा हूँ। मुझे कहते हैं मैं सृष्टि का

बीजरूप परम आत्मा, मैं सबका बाप हूँ। सभी

आत्मार्यें बाप को पुकारती हैं कि हे परमपिता

परमात्मा। जैसे तुम्हारी आत्मा स्टार मिसल है,

बाबा भी परम आत्मा स्टार है। छोटा बड़ा नहीं है।

बाप कहते हैं मैं अंगुष्ठे मिसल भी नहीं हूँ। मैं परम

आत्मा हूँ। तुम सबका बाप हूँ। उसको कहा जाता

है सुप्रीम सोल, नॉलेजफुल। बाप समझाते हैं मैं

नॉलेजफुल, मनुष्य सृष्टि के झाड का बीजरूप हूँ।

मुझे भक्त लोग कहते हैं कि परमात्मा सत् चित्

आनंद स्वरूप है, वह ज्ञान का सागर है, सुख का

सागर है। महिमा कितनी है। अगर नाम रूप देश

काल नहीं तो पुकारेंगे किसको। साधू सन्त आदि

सब तुमको भक्ति मार्ग के शास्त्र सुनाते हैं। मैं

तुमको आकर राजयोग सिखाता हूँ।

Words of world Almighty

समझा?



16-03-2026 प्रातःमुरली ओम् शान्ति "बापदादा" मधुबन

बाप समझाते हैं कि तुम पतित-पावन मुझ ज्ञान

सागर बाप को कहते हो। तुम भी मास्टर ज्ञान

सागर बनते हो। ज्ञान से सद्गति मिल जाती है।

भारत को सद्गति बाप ही देंगे। सर्व का सद्गति दाता

एक है। सर्व की दुर्गति फिर कौन करता है?

रावण। अब तुमको यह कौन समझा रहे हैं? यह है

परम आत्मा। आत्मा तो एक स्टार मिसल अति

सूक्ष्म है। परमात्मा भी ड्रामा में पार्ट बजाता है।

क्रियेटर, डायरेक्टर, मुख्य एक्टर है। बाप समझाते

हैं कि ऊंच ते ऊंच पार्टधारी कौन है? ऊंच ते ऊंच

भगवान। जिसके साथ तुम आत्मायें बच्चे सब

रहते हो। कहते भी हैं कि परमात्मा सबको भेजने

वाला है। यह भी समझने की बात है। ड्रामा तो

अनादि बना हुआ है। बाप कहते हैं कि मुझे तुम

कहते हो ज्ञान का सागर, सारी सृष्टि के आदि मध्य

अन्त को जानने वाला। अभी यह जो शास्त्र आदि

पढ़ते हैं, इनको बाप जानते हैं। बाप कहते हैं कि मैं

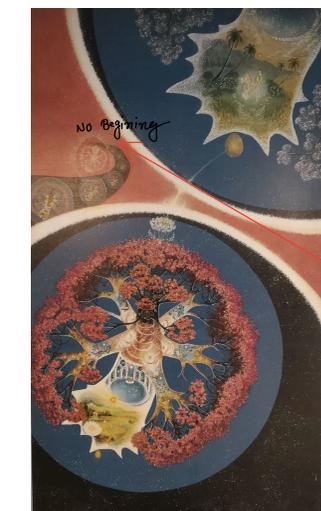
प्रजापिता ब्रह्मा के द्वारा सभी शास्त्रों का सार

आकर बताता हूँ। दिखाते हैं कि विष्णु की नाभी से

ब्रह्मा निकला। तो कहाँ निकला? मनुष्य तो जरूर

Points: ज्ञान योग धारणा सेवा M.imp.

ये पक्का समझ लो..



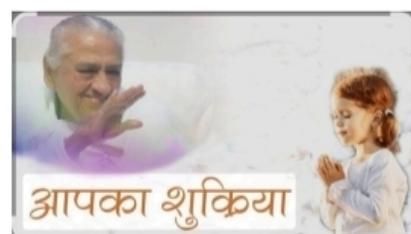
In between other 82 births of that soul comprises Umbilical cord of Vishnu Represents that the Vishnu himself becomes brahma After 84 births.

नाम शान्ति "बापदादा" मधुबन

यहाँ ही होंगे ना। इनकी नाभी से ब्रह्मा निकला फिर भगवान ने बैठ इनके द्वारा सभी वेदों शास्त्रों का सार सुनाया। अपना भी नाम रूप देश काल समझाया है। मनुष्य सृष्टि का बीजरूप है ना। इस वृक्ष की उत्पत्ति, पालना, विनाश कैसे होता है, वह कोई भी नहीं जानते। इसको वैराइटी झाड़ कहा जाता है। सभी नम्बरवार अपने समय पर आते हैं। पहले नम्बर में देवी देवता धर्म की स्थापना कराता हूँ जबकि वह धर्म नहीं है। बाप कहते हैं कि कितने तुच्छ बुद्धि हो गये हैं। देवताओं की, लक्ष्मी-नारायण की पूजा करते हैं परन्तु उन्हीं का राज्य सृष्टि पर कब था वह कुछ नहीं जानते हैं। अभी भारत का वह देवता धर्म ही नहीं है, सिर्फ चित्र रह गये हैं। अच्छा!



मीठे-मीठे सिकीलधे बच्चों प्रति मात-पिता बापदादा का याद-प्यार और गुडमॉर्निंग। रूहानी बाप की रूहानी बच्चों का नमस्ते।



Points: ज्ञान योग धारणा सेवा M.imp.

धारणा के लिए मुख्य सार:-

1) मास्टर ज्ञान सागर बन पतित से पावन बनाने की सेवा करनी है। बाप ने जो सब शास्त्रों का सार सुनाया है वह बुद्धि में रख सदा हर्षित रहना है।

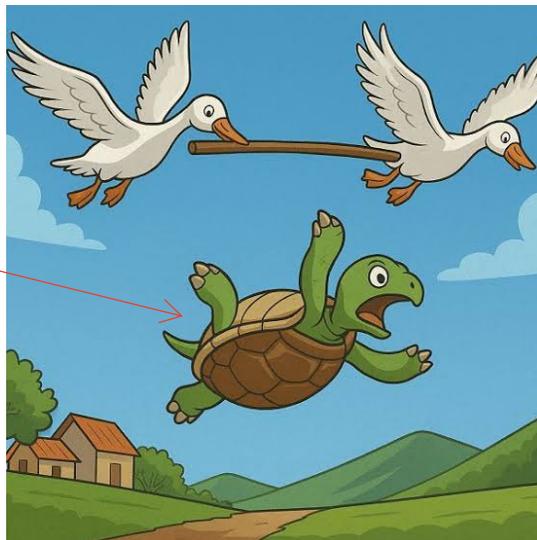


Mind very well...

2) एक बाप की श्रीमत हर पल पालन करना है। देह के सब धर्म त्याग आत्म-अभिमानी बनने की मेहनत करनी है।



If you will use your योग 21 परमत then the Result

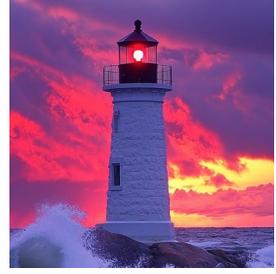


16-03-2026 प्रातःमुरली ओम् शान्ति "बापदादा" मधुबन

वरदान:- विस्तार को सार में समाकर अपनी श्रेष्ठ स्थिति

बनाने वाले बाप समान लाइट माइट हाउस भव

Finale Achievement



बाप समान लाइट, माइट हाउस बनने के लिए कोई भी बात देखते वा सुनते हो तो उसके सार को जानकर एक सेकण्ड में समा देने वा परिवर्तन करने का अभ्यास करो।

Most imp

क्यों, क्या के विस्तार में नहीं जाओ क्योंकि किसी भी बात के विस्तार में जाने से समय और शक्तियां व्यर्थ जाती हैं।

very Subtle Point to understand

तो विस्तार को समाकर सार में स्थित होने का अभ्यास करो - इससे अन्य आत्माओं को भी एक सेकण्ड में सारे ज्ञान का सार अनुभव करा सकेंगे।

Answer:

स्लोगन:- अपनी वृत्ति को पावरफुल बनाओ तो सेवा में वृद्धि स्वतः होगी।

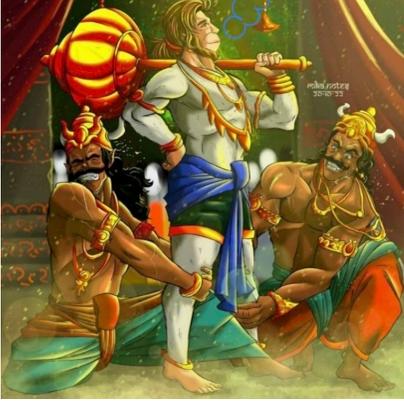
Automatically

चैत

Question:

Points: ज्ञान योग धारणा सेवा

ये अव्यक्त इशारे-



"निश्चय के फाउण्डेशन को मजबूत कर

सदा निर्भय और निश्चिंत रहो"



Characteristics of

① यदि निश्चय रूपी फाउण्डेशन पक्का है तो सहज
② योगी, निर्मल स्वभाव, शुभ भावना की वृत्ति और
③ आत्मिक दृष्टि वाले होंगे।
④



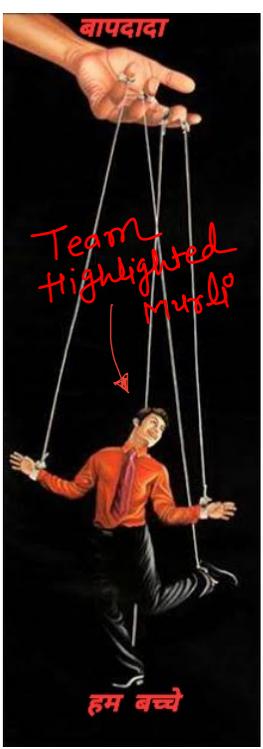
⑤ चलन और चेहरे से हर समय सरलता की झलक
अनुभव होती रहेगी।

m.m.m...imp.

तो हरेक की विशेषता को स्मृति में रख एक दो में
फेथफुल रहो तो उनकी बातों का भाव बदल
जायेगा।

this is
magic

Try it...
Then only
one can know
it.



ओम शांति,

30 मार्च 2026 को इस हाइलाइटेड मुरली की सेवा को 6 साल पूरे हो रहे हैं (इसको 30/3/2020 को शुरू किया था) तो इस उपलक्ष में यहां पर हम आपके साथ एक गूगल फॉर्म शेयर कर रहे हैं जिसके द्वारा ये जान पाएंगे कि...

1. आपको Highlighted मुरली से क्या प्राप्ति हो रही है एवं आप इसको अपने पुरुषार्थ में कैसे उपयोग में लेते है ? (अनुभव)
2. आप Highlighted मुरली में क्या कुछ नवीनता चाहते हैं? (feedback)
3. हम ये जान पाए कि देश-विदेश में Highlighted मुरली की पहुंच कहां तक है? (Reach of मुरली)

आपको अगर कोई शिकायत हो तो भी जरूर लिखे। हम उसे solve करने का प्रयास करेंगे।

कृपया अपने सुझाव एवं प्रतिभाव अवश्य साझा करें, आपके सुजाव एवं प्रतिभाव हमे आगे के लिए पथ प्रदर्शन में सहयोगी बनते है। (क्योंकि पहले भी आप श्रेष्ठ आत्माओं के feedback के आधार से ही gradually बहुत सारे changes किए हुए है)

आपके द्वारा भेजे गए Feedback में से कुछ एक Feedback को यहाँ पर साझा करेंगे, जिससे कि दूसरों को अपने पुरुषार्थ में बल मिल सकें ।

शुक्रिया, ओम शांती।

Team Highlighted Murli

[Link of Google Form ==>](#)

[Click](#)



पिछले साल बहुत से अनुभव प्राप्त हुए थे उन में से कुछ अनुभव यहां पर रख रहे है जो आपको खुशी एवं आपके पुरुषार्थ में बल भरेंगे

"Highlights Murli मुझे सदा सामने रहने से बाबा के श्रीमत सदा साथ रहने का अनुभव होता . Point पडने से खुशी का पारा सदा ही चढा रहता है साथ साथ Highlight होने से चारा ही subject के मुरली में से मुख्य point सदा याँद रहते है"
— BK Sachin ज्ञान में- 23 Year From:- Pune Maharashtra

I love reading highlighted murli. It explains with example and small pictures which is very helpful
— Gayatri Sharma ज्ञान में - 5 years From: Winnipeg, Canada, Manitoba

I have seen improvement in my Purusharth due to understanding murli points through this diagrammatic form of Baba's letter. It is very interesting and powerful technique to remember murli points throughout the day.
—Asha savlani ज्ञान में-30 years From:- Pune Maharashtra

Om Shanti bhai ji, m UPSC ki preparation kr rhi hu, murli pdhna usme imp. Kya h ye smjhna bhut muskil hota tha starting m , but jb se aapki highlited murli pdhne lgi hu ...murli k points bhi yaad rhete h.....aur jo picture add kr dete h aap ,usse toh murli k imp. Point ko yaad rkhnna bhut easy ho jata h.....aise hi easy way m murli laate rhtie...bhai ji thnxshiv baba bless u...
---BK Neetu ज्ञान में- 2 (seriously from 6 month) From: Pratapgarh Uttar Pradesh

"हर हाईलाइट कलर से किस को भी आसान तरीके से समझा सकते है, ओर ज्ञान, योग, धारणा, सेवा, अच्छी तरह समझ आती है. एसली ऐ बहुत ही सुंदर सेवा कर रहे है."
—Bk Rohit b langhnoja ज्ञान में-16 years From:- Surendranagar; Gujarat

Amazing seva baba has given yiu!! Every soul must be showering you with so much love n blessings and Bab bhi bahut khush hote honge
-- Neha khandelwal ज्ञान में-Bachpan se From: Kanpur Uttar Pradesh

"Aap bahot achi seva kr rhe h. M aapki hi pdf se murli padhti hu. Or jo photos, songs, clips dalte ho usse bahot acha clear hota h. Please Continue doing the work. Thank you Baba Om shanti 🙏"
---Priya Saini ज्ञान में- 4 mahine From:- Rajasthan, Jhunjhunu ,gyan Jaipur devi nagar centre se lia

purusharth me tivrata aati aati he... bahut accha he mere liye... padhne me bhi clerity rahti he... yad bhi acchi tarah raheta he... good job kar rahe ho... chalu rakhna...
— Modi Minal ज्ञान में- 45 years From:- Ahmedabad, Gujarat

This highlighted Murli helps a lot to understand and seek the knowledge, specifically for the new comers like me those don't take regular classes at centre. I did online Rajyoga course in 2018 and again at centre in 2024. This is a great initiative. Thank you so much. Om Shanti 🙏
— Raveena Batra ज्ञान में - 6 year From: Sonipat, Haryana

"Dear team, Om Shanti. Its eadg to remember murli through picture format. Much appreciated thank you so much."
— A. Suryasree ज्ञान में-15 yrs From:- Sheffield UK

"You are doing Very unique Service. Murli become very easy to understand with illustrations and highlighted points of GYDS I share it even to my class matas and show them the illustrations while read Murli in class. All Godly students taking benefit to understand and remember Murli points. I feel this is Baba's very Special service by special quality souls. Heartiest Blessings Blessings and Blessings 🙏🙏 Om Shanti "
—BK Meena Bharti ज्ञान में- 23 years From:- Ghumarwin, Himachal Pradesh

"It is very interesting to read this highlighted Colourful Murli with lots of pictures and important informations along with this. Emojis used are also very useful to understand the emotions.. love to read it ❤️ Extremely thankful to all of you for the efforts... bahut dhanyawad 🙏🙏❤️❤️"
— Manju Sharma ज्ञान में- 6yrs. From:- Rewari Haryana

Om Shanti, I came into gyan in 1981 in Kenya where I am born. My yugal was first. As Baba says charity begins at home, we also introduced my lokiks to knowledge and we all started following Baba's knowledge. I started reading the highlighted Murli quite a number of years ago when both the Hindi & English were done from the same portal. I find it easy to read because of the large fonts. Also highlighting the 4 subjects makes it easy to revise after having heard the Murli on line as I do in Nairobi. As I cannot remember all the Murli points because of age (83yrs) I like the main ones which marked. I try to keep one or two in mind throughout the day and also look at the highlighted Murli at every opportunity. I think you are doing wonderful service particularly for older gyani souls. Please continue the good work and I wish you the best. Another point I forgot to mention is the photos that you show beside the text. It makes remembering that particular point easy to recall. Also the points that are written from your own churning of the knowledge are useful.
IBY
BK DINKER
NAIROBI CENTRE.

I AM IN GYAN AT THE AGE OF 12 YEARS I ALWAYS WANT TO EXPLAIN THE MURLI WITH WORLD EXAMPLE LIKE IF BABA SAID COMPANY MATTERS ALOT THEN I TRY TO FIND OUT ON THE GOODLE WHAT GREAT PERSONALITY LIKE KABIR DAS , GANDHI JI AND OTHERS SAID ABOUT IT BUT WHILE STUDYING THE MURLI THROUG HIGHTED POINTS BABA HELPS ME ALOT .
YEAH NAA SIRF MUJH KUMMARI ME GYAN KA NASA BHARTA HAI BALKI JB MAE MURLI CLASS ME SUNATI HU TOH BAKI AATMAO KO BHI MAZA AATA HA.
#MURLI #PICUTURES OF SATYUG #EXAMPLES #NEW METHOD AND UNIQUE MENTHOD OF SEWA
THANK TO SHIV BABA

--ARCHANA KUMARI (SHAKTI BEHAN) ज्ञानमें- 15 years From - HAZIPUR BIHAR

gita Pathshala me baba ne seva di to ye mere liye ek sundar saugat hai samzane ke liye dil se shubh kamna shubh bhavna deti hu aap ke bhehtarin se ke liye baba yaisi hi seva last tak aap se karvayega ji 🙏



-- Bk suchitra Bhawsar ज्ञान में- 11 years. from: Durg 36garh

OM SHANTI...Its informative and interesting to read BABA's MURLI in colored format as lot of related pictures ,information and attention points sometimes funny pictures are there, this help us to remember Murli. Since i am working as Professor in Medical College ,in the morning i read black and white, and afternoon apne department mein... jab hum detail mein samajhte hain to highligted colored murli read karte hain, baba ke naye bachche unko bhi jab murli sunate hain to colored hi dikhate hain to unko samajhne mein easy rahta hai....LOT OF THANKS TO SHIIV BABA and TEAM...dil se shukriya and blessings!!!!!!

-- Reema kumari gyan- 11 years from- Lucknow Uttar Pradesh

Highlights helps to categorize 4 subjects

-Poonam Gujral ; gyan: 32 years, from San Francisco, USA

High lighted Murli high lights are Pictures, under lines, high lighting points with colors also points taken from other stories like Kabir das and scriptures etc. High lighted murlis helps to remember murli very well gives an entertainment of study rather then boring. High lighted murli Increases murli sweetness helps to understand deeper points makes our Yog powerful. Thank you for all efforts and team for doing such a wonderful job. Dil sa Shukriya

--Bk Goutham , gyan- 20 years, from- Farmington Hills, Michigan, USA

Highlighted Murli helps understand the main points. The Pictures put in helps to remember the points throughout the day. It works wonders in our mind to remember anytime in the day. Now Murli points cannot be forgotten due to Highlighted Murli group's commendable efforts.

-- BK Mandar Tamhankar Gyan: 20 years from- Pune , Maharashtra

Hilighted murli se muz atma ko bahut fayda hua hai. Thanks. Thanks to baba and nimitta bane hilighted murli team members. Isme diye gaye points aur references, explanation, inke dwara baba muze purushrth me aage badha rahe hai. Daily murli ka itna abhyas karke muz atma ko murli ki achi samaz milti hai...isse murli points yad rahane me bhi aasani hoti hai

Susmita Rao. gyan- 13 years from- Mumbai

High lighted मुरली से main पॉइंट्स को जानने समझने में बहुत ही मदद मिलती है खास करके चारों सब्जेक्ट ज्ञान, योग, सेवा, धारणा के बाबा के महावाक्य को बड़े आसानी से मालूम हो जाता है जिनको मनन करने में सहायता मिलती है... वाक्य में यें आपका बहुत ही सराहनीय कार्य है व बहुत ही नये तरीके की सेवा है, बाबा से प्रार्थना है यह गुप दिन दुगनी प्रगति करता रहे। ओमशान्ति 🙏🙏

Bk Suresh gyan-35 years , from - palwal, haryana

हायलाईट मुरली पढने से मेन पॉईट ज्ञान योग धारणा सेवा की बुद्धी मे बैठती है पॉईट्स से रिलेटेड फोटो जो होते है उसे वह पॉईट ध्यान मे रहती है ओम शांती 🙏🌟

-- Sangita Udakhe, gyan- 20 years, from - Yavatmal, Maharashtra

Highlighted Murli se easy ho jata hai . Important points yaad karne mein easy hota . Murli bhi achi tarah samajh ati hai . Jo song ke link main madhuban murli m nahi hota woh highlighted murli m mil jata hai . Sujhav yeh hai ki murli m jo kahawatey ati hai unko pura complete karke jarur bheje n jo kahani baba example dete hai uska link bhej de taki hum us kahani ko padh sake agar nahi maloom ho toh . Thank you very much , great service you are doing . Baba bless the team .

-- Ritu Chawla, gyan- 7 years, from - kuvait, gulf country

From very long time I am visiting this site for murli and other sewa and also seen Highlighted murli but from sometime I am regularly referring Highlighted murli. The team is really doing good job and its very easy to remember the murli points. The hyperlinks, Pictures, written text with experience sharing and legends at the bottom of every page make it a proper formal document. Its really looks like a professionalism in spirituality.

Congratulations. :-)

– HRISHEESHWAR KAUSHIK. Gyan:from childhood From:Delhi, Shahdara

Highlighted Murali made to understand easily the four subjects Gyan Yog Dharana aur sewa. Pictures also connects fast, what baba wanted to tell us. Thanks baba thanks team.

– Sulckshna Saidha gyan:15 years From: Dehradun Uttarakhand

Om shanti, mein pichle 4 saal se highlighted murli padhti hu, mujhe bahut achha lagta h ise padhna. Isme jo emoji hote h unhe dekhkar murli ka point easily yaad bhi rehta h aur ek emotion bhi jud jata h uske saath, murli me jo link diye hote h vo bhi bahut useful hote h.

Mera ye suggestion h ki abhi baba ne sunday ki murli k vardan me kaha ki jab vinashkal bhulta h to hum albele ho jate h, to vinashkal par chali murli k pages ya link bhi daily murli k saath dale jae jisse hum alert rahe. Sister BK kusum aur unki team ka aur Baba ka bahut bahut shukriya 🙏😊😊 om shanti

– Manju Sharma ;Gyan:6yrs.; From:- Rewari Haryana

Dear Team - Highlighted murali helped a lot. Everyday i will be so excited to read in this highlighted form, its very easy to understand, remember, Dharna. Pictures helps a lot for memorising. I am able to tell Murali points easily. This has helped me in driving my attention and interest for Murali. I request the team to please continue. Om Shanti

– Lalitha; Gyan- 7 years Bangalore, From:- Hosa road, Karnataka

It reminds me of my medical study days, I used to study like this. Hlghlighting and writting in pointwise manner makes murali easy to remember. Colour codes distinguish between all four subsets of murali like Gyan, yog, dharana and seva. Pictorials help to relate and memorise it better. Colourful highlights make it very attractive. Great efforts by team. Shukriya BABA

–Kumud ; gyan:-चार साल From:- Mumbai, Maharashtra

bahut sarl shaj tarki se yad karne me help milta hai

sabhi time members ko tahe dil se sukriya 🙏 sukriya methe baba💕

– narendra gyan :-16 years From:- seoni Madhya Pradesh

मुझे हाइलाइट मुरली बहुत अच्छी लगती है चित्रों के द्वारा मुरली अच्छी तरह समझ में आती है और मुरली के पॉइंट्स अच्छी तहत याद आती

--- Asha devda Gyan:- 7 year; From:- Jhalawar Rajasthan

बड़े अक्षर पढ़ने में सरल लगता है और आपके pictures और extra points को नोट करते है

Life is Drama

The World is a stage

Men are actors

God is the creator, Director & Principal Actor

इसमें सारा ज्ञान समा हुआ है। दूसरों को इससे समझाने की कोशिस कर रहा हूँ.

पर मुझे अभी तक एक बात समाज में नहीं आ रहा है की आप चारो subjects को कैसे अलग कर highlight करते हो

Thank you, keep it up

--- Shivkesh; Gyan:- 4 years from:- HyderabadTelangana

Your picturesque according to the meaning of the word or the context and your remarks such as "point to be noted, Wah wah, wah baba wah, self checking, simple logic, be prepared, mind very well, how great are we and so on....." Some Slokas, quotes from devotional scriptures are promoting a great deal of understanding and interest in reading Murli with its actual meaning according to its context. Thanks 🙏 for your Godly service for all seekers of knowledge.

Omsanthi.

Bk Narasimhulu Somisetty; ज्ञान में: 25 years;
From: Sathupally; Khammam
district Telangana

I like all the photos attached as you remembers the main points of Murli and you get the feel of what Baba is trying to tell us. It also gives us intoxication.

Yogesh Kumar

Gyan: 4 years, From:- Coventry, West Midlands
UK, England (UK)

It's very helpful to highlight Murlis with pictures to enhance understanding, especially when Baba explains places, things, etc. In the Avyakt Murlis, when Baba speaks to the Dadis, it's wonderful to see their pictures and know which Dadi Baba is referring to. It's a great effort by all of you! Every day, I feel excited to read the colorful Murlis.

Thanks to Baba's children for the great job! 🙏🙏

Balbir kaur ; ज्ञान में: 12 years; From:
Sacramento California USA

ओम शांति

हाइलाइटेड मुरली इंस्टेंट ज्ञान खजाना है जिसमें मुझ आत्मा को मुरली के सही दिशा में चिंतन मनन में सहयोग मिलता है

आप सबका बहुत बहुत धन्यवाद है जो आप मेहनत से हम सब ज्ञान पिपासुओं को तृप्त कर रहे हैं

Bk Alok ; ज्ञान में: 18 years; From: Badaun, Uttar
Pradesh

Since I started reading this murli, I am understanding Babas Gyaan better. Your click buttons, simple explanations give me lot of clarity. I don't have to listen to any other teacher. Thankful to final destination and Murli to take me forward in pursharth. Baba bless you always for this amazing seva

Rita Soman; ज्ञान में: 14yrs ; From: Pune,
Maharashtra

Its very catching to mind as the pictures n highlights with colour get absorb in brain very quick. More over this beautiful effort of highlighting all the four subjects with different colour makes it very convenient to focus on the point instantly for revision. Overall its a great effort Thankyou soooo much Thankyou sweetest baba for so helpful Brahmin Parivaar 🙏

BK Riya Vij Gyan: 15 + years From:- Vaishali,
Ghaziabad Uttar Pradesh

Murli se very powerful yog or pure din avstha achi reh ti hai highlight Murli bahut achi lagti hai thank you so much 🥰

Reena Mangukiya ; ज्ञान में: 4 years ; From:
Surat Gujarat